Daily Current Affairs 03/08/2021

1. **डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन: 'ई-रुपी' (e-RUPI)**

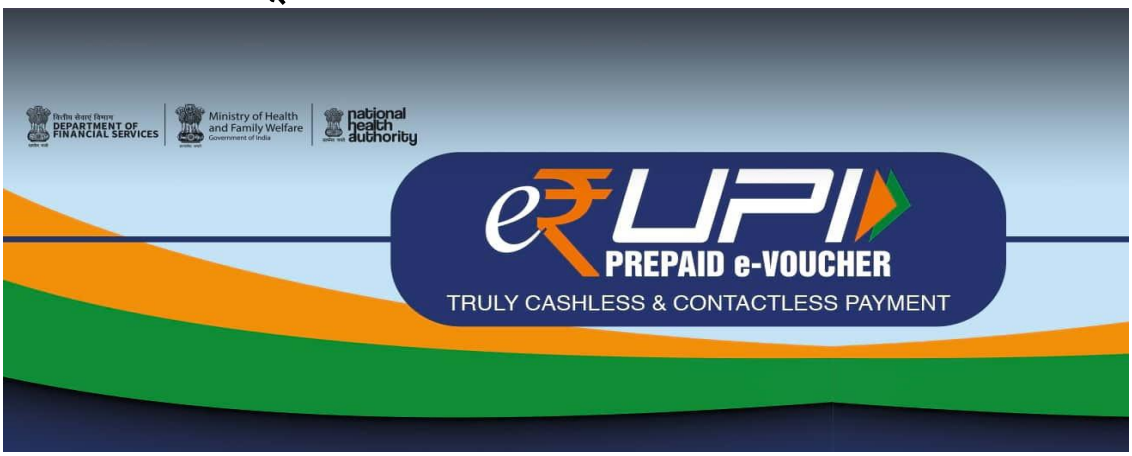

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** ने **डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन 'ई-रुपी'** (e-RUPI) लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

ई-रुपी के बारे में:

- ई-रुपी डिजिटल भुगतान के लिए **एक कैशलेस और संपर्क** रहित माध्यम है।
- यह एक **QR कोड या SMS स्ट्रिंग-आधारित ई-वाउचर** है, जिसे लाभार्थियों के मोबाइल पर पहुंचाया जाता है।
- इस निर्बाध एकमुश्त भुगतान व्यवस्था के उपयोगकर्ता अपने सेवा प्रदाता के केंद्र पर कार्ड, डिजिटल भुगतान एप या इंटरनेट बैंकिंग एक्सेस के बगैर ही वाउचर की राशि को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
- यह बिना किसी फिजिकल इंटरफेस के डिजिटल तरीके से लाभार्थियों और सेवा प्रदाताओं के साथ सेवाओं के प्रायोजकों को जोड़ता है।
- इसे **नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया** ने अपने UPI प्लेटफॉर्म पर **वित्तीय सेवा विभाग**, **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** और **राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण** के सहयोग से विकसित किया है।

उपयोग:

- कल्याण सेवाओं की लीक-प्रूफ डिलीवरी सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक क्रांतिकारी पहल होने की उम्मीद है।
- इसका उपयोग मातृ और बाल कल्याण योजनाओं के तहत दवाएं और पोषण संबंधी सहायता, TB उन्मूलन कार्यक्रमों, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

जैसी स्कीमों के तहत दवाएं और निदान, उर्वरक सब्सिडी, इत्यादि देने की योजनाओं के तहत सेवाएं उपलब्ध कराने में किया जा सकता है।

- यहां तक कि निजी क्षेत्र भी अपने कर्मचारी कल्याण और कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रमों के तहत इन डिजिटल वाउचर का उपयोग कर सकता है।

ई-रुपी का महत्व:

- सरकार पहले से ही एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा विकसित करने पर काम कर रही है और ई-रुपी का शुभारंभ संभावित रूप से डिजिटल भुगतान अवसंरचना में अंतराल को उजागर कर सकता है जो भविष्य की डिजिटल मुद्रा की सफलता के लिए आवश्यक होगा।

आभासी मुद्रा से अलग:

- वास्तव में, ई-रुपी मौजूदा भारतीय रुपये द्वारा समर्थित है क्योंकि अंतर्निहित परिसंपत्ति और इसके उद्देश्य की विशिष्टता इसे एक आभासी मुद्रा से अलग बनाती है और इसे वाउचर-आधारित भुगतान प्रणाली के करीब रखती है।

नोट: अमेरिका, स्वीडन, हांगकांग, कोलंबिया, चिली आदि जैसे देश वाउचर सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं।

स्रोत: PIB

2. भारत ने अगस्त 2021 के लिये UNSC की अध्यक्षता ग्रहण की

चर्चा में क्यों?

- भारत ने अगस्त 2021 के महीने के लिये **UNSC (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) की अध्यक्षता** ग्रहण की।
- **सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में वर्ष 2021-22** के कार्यकाल के दौरान यह **भारत की पहली अध्यक्षता** होगी।
- भारत ने जनवरी 2021 में UNSC के एक अस्थायी सदस्य के रूप में अपना दो वर्ष का कार्यकाल शुरू किया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- UNSC के एक अस्थायी सदस्य के रूप में यह भारत का आठवाँ कार्यकाल है।

प्रमुख बिंदु

भारत द्वारा UNSC की अध्यक्षता के बारे में:

- भारत समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी और शांति स्थापना के तीन प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए तैयार है।
- भारत महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र का एजेंडा तय करेगा और कई मुद्दों पर महत्वपूर्ण बैठकों का समन्वय करेगा।
- UNSC के एजेंडा में सोमालिया, यमन, सीरिया, इराक और मध्य पूर्व सहित कई महत्वपूर्ण बैठकें होंगी।
- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** UNSC की बैठक की अध्यक्षता करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे।
- पिछली बार जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री इस प्रयास में लगे थे तो 1992 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव थे, जब उन्होंने UNSC की बैठक में भाग लिया था।

UNSC (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) के बारे में तथ्य:

- **स्थापना:** 24 अक्टूबर 1945
- **सदस्यता:** 15 देश
- **स्थायी सदस्य:** 5 (संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और यूनाइटेड किंगडम)
- **अस्थाई सदस्य:** भारत सहित 10

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

3. UG और PG मेडिकल/ डेंटल कोर्स के लिए अखिल भारतीय कोटा योजना में OBC को 27 प्रतिशत और EWS को 10 प्रतिशत आरक्षण

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय** ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल/डेंटल कोर्स के लिए **अखिल भारतीय कोटा योजना** में **OBC (अन्य पिछड़ा वर्ग)** के लिए 27 प्रतिशत और **EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग)** के लिए 10 प्रतिशत **आरक्षण** की घोषणा की है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

अखिल भारतीय कोटा (AIQ) योजना के बारे में:

- सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत, किसी राज्य में स्थित मेडिकल कॉलेज में अध्ययन के इच्छुक किसी भी राज्य के विद्यार्थियों को **निवास स्थान की शर्त से मुक्त योग्यता आधारित अवसर** उपलब्ध कराने के लिए 1986 में AIQ योजना पेश की गई थी।
- इसमें सरकारी मेडिकल कॉलेजों में UG सीटों का 15% और PG सीटों का 50% शामिल है।
- प्रारंभ में, 2007 तक AIQ में कोई आरक्षण नहीं था। 2007 में, सुप्रीम कोर्ट ने AIQ योजना में SC के लिए 15% और ST के लिए 7.5% आरक्षण की शुरुआत की।
- पहले, 2007 तक AIQ योजना में कोई आरक्षण नहीं होता था। 2007 में, सर्वोच्च न्यायालय ने AIQ योजना में SC के लिए 15 प्रतिशत और ST के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण पेश किया था।
- जब OBC को एक समान 27 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध कराने के लिए 2007 में **केंद्रीय शैक्षणिक संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम** प्रभावी हुआ, तो उसे केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया गया।
- हालांकि इसे राज्य मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में AIQ सीटों पर लागू नहीं किया गया था।
- संविधान (एक सौ तीनवां संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत 10% EWS कोटा भी केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया गया है, लेकिन राज्य संस्थानों के लिए **राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (NEET)** AIQ में नहीं।

लाभ:

- देश भर के OBC विद्यार्थी अब किसी भी राज्य में सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए AIQ योजना में आरक्षण का लाभ लेने में सक्षम हो जाएंगे।
- एक केंद्रीय योजना होने के कारण, इस आरक्षण के लिए OBC की केंद्रीय सूची का इस्तेमाल किया जाएगा। इस आरक्षण से MBBS में 1500 और स्नातकोत्तर में 2500 OBC विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) के बारे में:

- NEET देश में सभी स्नातक (NEET-UG) और स्नातकोत्तर (NEET-PG) चिकित्सा और दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा है।

स्रोत: द हिंदू

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

4. सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं का सामाजिक लेखापरीक्षा

चर्चा में क्यों?

- **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** ने वित्त वर्ष 2021-22 में **सूचना-निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक लेखापरीक्षा** (I-MESA) योजना तैयार की है।

प्रमुख बिंदु

सूचना-निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक लेखापरीक्षा (I-MESA) के बारे में:

- इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2021-22 से विभाग की सभी योजनाओं का सामाजिक लेखापरीक्षा किया जाना है।
- यह सामाजिक लेखापरीक्षा राज्यों की **सामाजिक लेखापरीक्षा इकाइयों (SAU)** और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के माध्यम से की जाती है।

सामाजिक लेखापरीक्षा के बारे में:

- यह सरकार और लोगों द्वारा संयुक्त रूप से एक योजना का लेखापरीक्षा है, खासकर उन लोगों द्वारा जो इस योजना या इसके लाभार्थियों से प्रभावित हैं।
- सामाजिक लेखापरीक्षा का उद्देश्य जवाबदेही, पारदर्शिता और उनके लिए बनाई गई योजनाओं में लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

नोट:

- **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)** ग्राम पंचायत में शुरू की गई सभी परियोजनाओं की ग्राम सभा द्वारा सामाजिक लेखापरीक्षा को अनिवार्य करने वाला पहला अधिनियम था।
- अधिकांश भारतीय राज्यों ने एक स्वतंत्र **सामाजिक लेखापरीक्षा इकाई** की स्थापना की है और कुछ ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मध्याह्न भोजन योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित अन्य कार्यक्रमों में सामाजिक लेखापरीक्षा की सुविधा शुरू कर दी है।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

5. 36वां भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्ती (CORPAT)

भारत इंडोनेशिया समन्वित गश्ती का

चर्चा में क्यों?

- समन्वित गश्ती (CORPAT) का 36वां संस्करण **भारतीय नौसेना और इंडोनेशियाई नौसेना के** बीच 30 से 31 जुलाई 2021 तक आयोजित किया गया था।

प्रमुख बिंदु

नौसेना अभ्यास के बारे में:

- भारतीय नौसेना का पोत (INS) सरयू, एक स्वदेश निर्मित अपतटीय गश्ती पोत, इंडोनेशियाई नौसेना पोत KRI बंग टोमो के साथ दिनांक 30 से 31 जुलाई 2021 तक इंडो-पैसिफिक में समन्वित गश्ती (CORPAT) में भाग लिया।
- दोनों देशों के समुद्री गश्ती एयरक्राफ्ट ने भाग लिया।

पृष्ठभूमि:

- भारत और इंडोनेशिया 2002 से वर्ष में दो बार **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL)** पर समन्वित गश्ती कर रहे हैं,

उद्देश्य:

- कॉरपेट अभ्यास नौसेनाओं के बीच समझ और अंतरसंचालनीयता का निर्माण करने में मदद करते हैं, साथ ही ग़ैरकानूनी, बग़ैर कोई लेखा जोखा रखे एवं अनियमित ढंग से संचालित मछली पकड़ने, मादक पदार्थों की तस्करी करने, समुद्री आतंकवाद, सशस्त्र डकैती और समुद्री डकैती जैसी गतिविधियों को रोकने और दबाने के लिये संस्थागत ढांचे के निर्माण की सुविधा प्रदान करते हैं।
- **नोट:** भारत सरकार के **सागर (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फ़ॉर ऑल इन द रीजन)** दृष्टिकोण के अंतर्गत भारतीय नौसेना समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र के अन्य देशों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रही है।

इंडोनेशिया के साथ अन्य अभ्यास:

- गरुड़ शक्ति (सैन्य अभ्यास)
- समुद्र शक्ति (समुद्री अभ्यास)

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

स्रोत: PIB

6. इंटेल ने CBSE के साथ साझेदारी में 'AI फॉर आल' पहल की शुरूआत की

चर्चा में क्यों?

- **चिपमेकर इंटेल** ने **'AI फॉर आल' पहल** शुरू करने के लिए **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)** के साथ सहयोग किया है।

प्रमुख बिंदु

'AI फॉर आल' पहल के बारे में:

- **इंटेल के AI फॉर सिटिजन्स प्रोग्राम** पर आधारित, 'AI फॉर आल' एक 4 घंटे का, स्व-गतिशील शिक्षण कार्यक्रम है।
- इसका उद्देश्य भारत में लोगों के लिए **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** की बुनियादी समझ बनाना है।
- कार्यक्रम का लक्ष्य AI को अपने पहले वर्ष में दस लाख नागरिकों से परिचित कराना है।
- AI में तेजी से आर्थिक विकास को गति देने, जनसंख्या-पैमाने की चुनौतियों का समाधान करने और लोगों के जीवन और आजीविका को लाभ पहुंचाने की शक्ति है।

नोट:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 AI के महत्व को स्वीकार करती है और सभी को AI संचालित अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने पर जोर देती है।
- AI फॉर आल दुनिया भर में सबसे बड़े AI जन जागरूकता कार्यक्रमों में से एक है और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए एक समावेशी तरीके से AI को उजागर करने में मदद करेगा।

स्रोत: द हिंदू

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now